



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]
No. 41]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 8, 2000/फाल्गुन 18, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 8, 2000/PHALGUNA 18, 1921

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाइलैंड से पोलिस्ट्रीन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—
अंतिम जांच परिणाम

सं. 33/1/98-डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क क्रियाविधि

1. निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है:

i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) दिनांक 28 सितंबर, 1999 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर उक्त जांच परिणामों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था।

iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य, सिंगापुर उच्चायोग, रॉयल थाई दूतावास तथा हांगकांग स्पेशल एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन, हांग-कांग के

व्यापार विभाग को इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने अपने विचार भेजने की सलाह दी जाए ।

iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को दिनांक 11 नवम्बर, 1999 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।

v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के गोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई । जिन्होंने उक्त फाइल के निरीक्षण हेतु अनुरोध किया उन्हें उक्त फाइल के निरीक्षण की अनुमति दी गई थी ।

vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;

vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है;

viii) इस अधिसूचना में *** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

ख याचिकाकर्ताओं के विचार

2.1 उन्होंने तर्क दिया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी किसी भी प्रतिक्रिया के उत्तर पर ध्यान नहीं देना चाहिए जिसमें पूरी सूचना न हो और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए जिसके आधार पर याचिकाकर्ता ने अपना आवेदन तैयार किया है । प्राधिकारी द्वारा निकाला गया कोई भी निष्कर्ष सूचना को रोकने वाले व्यक्ति के लिए कानूनी रूप से प्रतिकूल होना चाहिए । यह निवेदन किया गया है कि अन्यथा की गई कुछ भी कार्रवाई कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगी ।

2.2 चीन हांगकांग ट्रेडिंग ब्लाक: याचिकाकर्ताओं ने प्रारंभिक जांच परिमाणामों की ओर ध्यान दिलाया है कि चीन से किए गए आयात न्यूनतम हैं । उन्होंने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को आज की दुनिया की भूराजनैतिक वास्तविकताओं पर विचार करना चाहिए । प्राधिकारी ने पहले ही यूरोप में अवरोधों की समाप्ति को पहचान लिया है और यूरोपीय संघ के खिलाफ समग्र रूप से मामलों की जांच शुरू कर दी है । चीन और हांग-कांग के बीच स्थिति ऐसी ही है और यदि प्राधिकारी चीन और हांग-कांग से निर्यातों पर समग्र रूप से विचार करते हैं और न्यूनतम नियम को लागू करने के कृत्रिम आधार को समाप्त कर देते हैं तो यह न्यायसंगत ही होगा ।

ग निर्यातकों, आयातकों तथा हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचार:

3.1 गवर्नामैंट ऑफ हांगकांग स्पेशल एडमिनीस्ट्रेटिव रीजन

प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में उन्होंने कहा है कि उन्हें हांगकांग से आयातों द्वारा हुई भारतीय घरेलू उद्योग के हुए पाटन अथवा क्षति का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं मिल सका है। जहां तक डंपिंग मार्जिन का संबंध है उन्होंने डंपिंग मार्जिन की संगणना से संबंधित ब्यौरों की मांग की है। इसके साथ-साथ उन्होंने बाजार कीमत, औसत बिक्री मूल्य निर्माण तथा बिक्री की औसत लागत, भारतीय उद्योग की तुलना में विदेश के भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के बाजार शेयर को शामिल करते हुए जांच अवधि के लिए अलग-अलग समय के बारे में जानकारी मांगी है जिसमें डंपिंग संबंधी आरोप के लिए हांगकांग के बारे में अलग से आकंड़े मांगे हैं।

3.2 जहां तक समान उत्पाद का संबंध है, उन्होंने डोव कैमिकल्स के अनुरोध का उल्लेख किया है कि ई एस सी आर ग्रेड पोलीस्टर भारत में घरेलू उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तकनीकी विशिष्टियों के रूप में भिन्न उत्पाद हैं।

उन्होंने इस बात को भी नोट किया कि प्रारंभिक जांच परिणाम में वास्तविक क्षति के बारे में साक्ष्य नहीं दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, हांगकांग से डंप किए गए आयातों और भारतीय उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के बीच कोई स्पष्ट कारणात्मक संबंध स्थापित किया गया प्रतीत नहीं होता है।

मैसर्स डोव कैमिकल्स पैसिफिक लि०, हांगकांग

3.3 उन्होंने कहा है कि पाटनरोधी नियमावली 1995 के नियम 12 के तहत प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह प्रारंभिक जांच परिणामों के सभी रिकार्ड दर्ज करें, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ ये भी शामिल हैं: निर्यात मूल्य तथा सामान्य मूल्य का निर्धारण तथा इसके लिए अपनाई गई पद्धति के बारे में स्पष्टीकरण और उक्त निर्धारण के मुख्य कारण भी दिए जाए।

3.4 उन्होंने बताया कि चूंकि हांगकांग डब्ल्यू टी ओ का एक सदस्य है और चीन को अभी विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनना है इसलिए इन दोनों देशों के निर्यातों को एक साथ मिलाना उचित नहीं होगा क्योंकि चीन पर पाटनरोधी मामलों में डब्ल्यू टी ओ करार बाध्यकारी नहीं है।

3.5 प्रकटन विवरण के उत्तर में उन्होंने निम्नलिखित वास्तविक संशोधनों का संकेत दिया है कि डोव कैमिकल्स पैसिफिक लि० (डी सी पी एल, हांगकांग) पोलिस्ट्रीन का विनिर्माता नहीं है। हांगकांग में पोलिस्ट्रीन का उत्पादन करने वाली कानूनी कंपनी डोव कैमिकल्स लि० है जो हांगकांग में तेजिंगंगि में स्थित पोलिस्ट्रीन संयंत्र की स्वामि है एवं इसका संचालन करती है। इसके अतिरिक्त, यह भी कहा गया है कि डी सी पी एल, हांगकांग एक व्यापारी है और मैसर्स डोव कैमिकल्स इंटर लि० (डी सी आई एल) मुंबई डी सी पी एल, हांगकांग के एक इंडियन इंडेंटिंग एजेंट के रूप में कार्य करती है।

3.6 मैसर्स थाई पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज पब्लिक कं. लि०, बैंकाक

जांच पश्चात् अवधि के दौरान इस कंपनी से भारत के निर्यात बहुत कम हुए हैं। डब्ल्यू टी ओ के सदस्यों के रूप में थाईलैंड और भारत को व्यापार के उदारीकरण की और विश्व की

वचनबद्धता का अनुपालन करने के दायित्व के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है । अतः अनुचित अतिरिक्त टैरिफ अवरोधों से बचा जाना चाहिए ।

3.7 आल इंडिया प्लास्टिक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए), बम्बई

इन्होंने अप्रैल, 1999 से अक्टूबर, 1999 यानि जांच के बाद की अवधि के लिए जीपीपीएस और एचआईपीएस के लिए पोलिस्ट्रीन की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतें प्रस्तुत की हैं और पोलिस्ट्रीन पर से पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने का निवेदन किया है ।

3.8 पोलिस्ट्रीन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इंडिया)-याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ताओं ने निवेदन किया है कि- प्राधिकारी ऐसी प्रतिक्रिया को अनदेखा कर दें, जिसमें सम्पूर्ण सूचनानहीं है और 'उचित उपलब्ध सूचना' के आधार पर कार्रवाई करें जिसके आधार पर याचिकाकर्ताओं ने अपने आवेदन तैयार किए हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जो भी निष्कर्ष निकाला जाए उसे कानून के अनुसार सूचना न देने वाले व्यक्ति के प्रतिकूल होना चाहिए । यह अनुरोध किया गया है कि कोई भी अन्य बात कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के प्रतिकूल होगी ।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

- 4.1 जहाँ तक याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए तर्कों का संबंध है, नियम-6 बताता है कि प्राधिकारी किसी हिबतद्ध पार्टी अथवा इसके प्रतिनिधियों को पाटनरोधी जांच के दौरान किसी भी समय मामले से संबंधित आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने की अनुमति दे सकते हैं ।
- 4.2 जहाँ तक चीन-हांगकांग ट्रेडिंग ब्लाक का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आयातित उत्पाद पर पाटन का आरोप लगाते हुए अलग-अलग देशों के रूप में याचिका दायर की है । इस बीच, निर्यातकों ने यह भी अनुरोध किया है कि हांगकांग विश्व व्यापार संगठन का एक सदस्य है और चीन को डब्ल्यूटीओ का सदस्य अभी बनना है । पूर्वोक्तानुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी इन देशों नामत् चीन और हांगकांग को इस जांच के लिए अलग-अलग देशों के रूप में मानते हैं ।
- 4.3 जहाँ तक समान वस्तु का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स डोग के भारत में कुछ प्रयोक्ताओं जैसे मै. इलैक्ट्रोलक्स, बोल्टास इत्यादि के साथ दीर्घकालिक बिक्री प्रबन्ध हैं और यह उन्हें ईएससीआर ग्रेड स्टीरिन-469 की आपूर्ति कर रहा है । यह तथ्य यह संकेत नहीं देता कि भारत में घरेलू उद्योग समान वस्तु का उत्पादन नहीं कर रहा है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि तकनीकी विशिष्टियों, विनिर्माण की प्रक्रिया इत्यादि के संबंध में कोई नया साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो ईएससीआर ग्रेड-स्टीरिन 469 को भारत में उत्पादित समान वस्तुओं से अलग करें ।
- 4.4 जहाँ तक इस आशय के वास्तविक संशोधनों का संबंध है कि हांगकांग में पोलिस्ट्रीन का उत्पादन करने वाली कानूनी कम्पनी मै. डेव कैमिकल्स (एचके) लि. है और मै. डेव कैमिकल्स पैसिफिक लि. (डीसीपीएल) हांगकांग एक व्यापारिक कम्पनी है और पोलिस्ट्रीन

की विनिर्माता नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उनके उत्तरों के आधार पर इन कम्पनियों को असहयोगी माना गया है। मैसर्स डोव कैमिकल्स (एच के) लि. ने आज तक कोई जवाब अथवा सूचना नहीं दी है और इसलिए प्राधिकारी इस मामले में पार्टी को एक सहयोग पार्टी मानते हैं।

- 4.5 जहाँ तक मै. डोव के सम्बन्ध में सामान्य मूल्य की गणना का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने कुछ नमूना बीजक प्रस्तुत किए हैं जो कि चीन जनवादी गणराज्य में की गई बिक्री के बीजकों की सत्य प्रतियां मानी जा सकती हैं। यह भी नोट किया गया कि बीजक में उन खरीददारों के नाम व पतों का पूरा विवरण नहीं है जिन्हें ये बेचे गये और इस बारे में सूचना प्रत्यक्ष रूप से छिपाई गई। प्राधिकारी को उनके द्वारा प्राप्त किये गये भुगतान का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं करवाया गया। घरेलू बिक्री के सम्बन्ध में माल-भाड़े, हैंडलिंग प्रभार और बीमें के बारे में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की उपेक्षा करता है।
- 4.6 जहाँ तक सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना का सम्बन्ध है, प्राधिकारी ने नियम के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना को स्वीकार किया है।
- 4.7 जहाँ तक मै. थाई पैट्रो-कैमीकल इंडस्ट्री द्वारा किए गए इस आशय के निवेदन का सम्बन्ध है कि आयात की मात्रा इतनी कम है कि वह भारत में पोलिस्ट्रीन के घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँचा सकती, प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाईलैंड से आयात की मात्रा जॉच अवधि के दौरान न्यूनतम से अधिक है और निर्यातक के सम्बन्ध में पाटनसीमा न्यूनतम से अधिक है। इसके अलावा किसी विशेष निर्यातक से होने वाले आयातों की मात्रा पाटनरोधी जॉच के लिए न्यूनतम से अधिक होने की आवश्यकता नहीं है।

ड. विचाराधीन उत्पाद:-

- 5.0 मौजूदा जॉच में विचाराधीन उत्पाद पालिस्ट्रीन है। पोलिस्ट्रीन एक वर्सेटाइल थर्मोप्लास्टिक रेजिन है जो कि सामान्य प्रयोजन के क्रिस्टल तथा इम्पैक्ट ग्रेडों से अति विशिष्ट रेजिन तक के व्यापक किस्म के फार्मूलो में उपलब्ध है। पोलिस्ट्रीन अनेक प्रकार का हो सकता है। तथापि क्रिस्टल पोलिस्ट्रीन (जिसे जनरल परपस पोलिस्ट्रीन अथवा जीपीपीएस के रूप में जाना जाता है) और इम्पैक्ट पोलिस्ट्रीन (जिसे हाईइम्पैक्ट पोलिस्ट्रीन अथवा एच आई पीएस के रूप में जाना जाता है) मौजूदा जांच के विषय हैं। जीपीपीएस एक स्पष्ट, बिना किसी स्पष्ट आकृति का पोलिमेर है, जिसका उपयोग खाद्य पैकेजिंग, खाद्य परोसने की मर्दों, चिकित्सा संबंधी उत्पादों और आड़ियों कैसेट, काम्पैक्ट डिस्क और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक मीडिया मर्दों की पैकेजिंग में किया जाता है। एचआईपीएस में इम्पैक्ट रूपान्तरण के लिए पोलिब्यूटाडीन इलास्टोमर्स का उपयोग होता है और इसका उपयोग खेलौनों, फर्नीचर, हाऊसवेयर, खाद्य पैकेजिंग, खाद्य सेवा, चिकित्सा संबंधी उत्पादों, उपकरणों, भवन सामग्री, उपभोक्त इलेक्ट्रानिक, और इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए पैकेजिंग में किया जाता है। जीपीपीएस और एसआईपीएस अलग-अलग किस्म के पोलिस्ट्रीन हैं और इन्हें एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता। पोलिस्ट्रीन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 390319 के अन्तर्गत और आईटीसी के 39031900 के अन्तर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह विवरण केवल संकेतात्मक है और मौजूदा जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

च. समान वस्तुएं

6.0 याचिकाकर्ता के विचार

जहाँ तक समान वस्तु का संबंध है, उन्होंने कहा है कि जनरल परपज पोलिस्टीरीन (जी पी पी एस) जो पारदर्शी दानेदार होता है, का उपयोग मुख्यतः कैसेट कवरों इत्यादि जैसी वस्तुओं के विनिर्माण में होता है। हाई इम्पैक्ट पोलिस्टीरीन (एच आई पी एस) जो अपारदर्शी दानेदार होता है, का उपयोग टी वी कवर इत्यादि जैसी वस्तुओं के विनिर्माण में होता है। एच आई पी एस के ग्रेडों में से एक ग्रेड ई एस सी आर-इनवाइन्डर स्ट्रेस क्रैक रेसिस्टेंट पोलिस्टीरीन है। एच आई पी एस उत्पाद का यह ग्रेड अत्यधिक तापमान को सहन करने में समर्थ होता है और दूसरे रूपों में यह रेफ्रिजरेटर में उपयोग के लिए सर्वथा अनुकूल होता है। याचिकाकर्ताओं ने यह दुहराया है कि एच आई पी एस और जी पी पी एस के सभी ग्रेडों का भारत में विनिर्माण किया गया है और विनिर्माण किया जा सकता है। प्रत्येक विनिर्माता की रासायनिक संरचना में मालिकाना फार्मूला के आधार पर छिट-पुट अंतर हो सकता है।

6.1 निर्यातकों के विचार:

मै0 दोव केमिलक्स ने कहा है कि उसका उत्पाद याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित उत्पाद से अलग है। दोव केमिकल वर्तमान में भारत को केवल ई एस सी आर ग्रेड की स्टिरीन* 469 आर का निर्यात कर रहा है। यह विशेष ई एस सी आर ग्रेड रेफ्रिजरेटर में उपयोग होने वाली उष्मारोधक फोम में निहित रसायनों का प्रतिरोधी है और तदनुसार इसके टूटने की संभावना बहुत कम है। याचिकाकर्ताओं का उत्पाद उक्त विनिर्देशनों से मेल नहीं खाता है।

6.2 प्राधिकारी द्वारा जाँच:

जहाँ तक भारत में उत्पादित पोलिस्टीरीन और संबद्ध देशों से आयातित पोलिस्टीरीन की गुणवत्ता और तकनीकी विनिर्देशन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने कोई पैमानात्मक अंतर उजागर नहीं किया है। हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत इस साक्ष्य से कि खास उपभोक्ता भारत में उत्पादित पोलिस्टीरीन के उपयोग को पसंद नहीं करता है और वह आयात के खास स्रोत पर निर्भर रहता है, यह प्रमाणित नहीं होता है कि यह तकनीकी या वाणिज्यिक रूप से संबद्ध देशों से निर्यात की जा रही पोलिस्टीरीन का प्रतिस्थापनीय नहीं है। वास्तव में मै0 दोव ने स्वयं ही स्वीकार किया है कि याचिकाकर्ता भारत में समान वस्तु का उत्पादन करता है किन्तु यह उत्पाद उक्त विनिर्देशनों से मेल नहीं खाता है। किसी भी हाल में विचाराधीन उत्पाद और भारत में उत्पादित उत्पाद का सभी प्रकार से एक समान होना जरूरी नहीं है और एक समान वस्तु के अभाव में प्राधिकारी को यह देखना जरूरी है कि क्या दूसरी वस्तु के साथ इसका निकट का साम्य है अथवा नहीं।

6.3 यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोलिस्टीरीन चीन जन. गण, हांगकांग, सिंगापुर और थाइलैंड से निर्यात किए गए पोलिस्टीरीन के समान वस्तु हैं, भौतिक गुण (आकार, रासायनिक संरचना, कच्चा माल), विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, उसके कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संबंधित देशों से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु माना गया है।

छ. घरेलू उद्योग

7.0 यह याचिका पोलिस्टीरीन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। भारत में पोलिस्टीरीन के तीन उत्पादकों द्वारा इस याचिका का समर्थन किया गया जो एसोसिएशन के सदस्य भी हैं, जो हैं - मै0 सुप्रीम पेट्रोकेम लिमि. (एस पी एल), मै0 एल जी पोलिमर्स, मै0 राजस्थान पोलिमर्स एंड रेसिन्स लिमि. (आर पी आर एल)। भारत में पोलिस्टीरीन का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता याचिका दायर करने के आधार की पुष्टि करते हैं। मै0 सुप्रीम पेट्रोकेम लिमि. एल जी पॉलीमर्स लिमि. और राजस्थान पॉलीमर्स एंड रेसिन्स लिमि. भारत में पोलिस्टीरीन का कुल उत्पादन करते हैं और इसलिए उपरोक्त नियम 2(ख) के अनुसार वे घरेलू उद्योग की परिभाषा के दायरे में आते हैं।

ज. पाटन

8.0 प्राधिकारी ने चीन जन. गण, हांगकांग, सिंगापुर और थाइलैंड के निर्यातकों को भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1995 की धारा 9(क) (i) (ग) के अनुसार जांच से संगत सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियां अगर कोई हो, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

8.1 याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी ने जो शुल्क लगाया है वह 15 जुलाई, 1999 के पाटनरोधी नियमों में संशोधन के अनुसार पाटन मार्जिन से स्पष्टतया काफी कम है। यह आवश्यक है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी इस विषम परिस्थिति से अवगत हों और नियमों के अधीन अनुमत अधिकतम २.५२ तक शुल्क लगायें।

8.2 हांगकांग सरकार के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एफ़ के एस ए आर) ने प्रारंभिक जांच परिणाम के बारे में अपने उत्तर में कहा है कि उन्हें हांगकांग से हुए आयातों के कारण न तो किसी पाटन के बारे में और न ही भारतीय घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति के बारे में कोई प्रमाण मिला है। इसके अलावा, उन्होंने पाटन मार्जिन की गणना के ब्यौरे मांगे हैं।

8.3 मै0 दोव केमिलक्स पेसिफिक लिमि. (डी पी सी एल), हांगकांग : निर्यातकों ने कुछ नमूना बीजक प्रस्तुत किया है जिन्हें चीन जन. गण में बिक्री संबंधी बीजकों की सच्ची प्रतिलिपि माना जा सकता है।

8.4 मै0 एल्फ़ एटोकेम साउथ एशिया प्रा0 लिमि., सिंगापुर: कंपनी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि एफ़ आर पी एस ग्रेड पोलिस्टीरीन को जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि यह घरेलू उद्योग काय उत्पादित नहीं किया जाता है।

8.5 प्राधिकारी द्वारा जाँच

जहाँ तक मै0 दोव केमिकल्स द्वारा प्रस्तुत अतिरिक्त सूचना का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त सूचना निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रस्तुत नहीं की गई है और इसका कोई उपयोगी विश्लेषण नहीं किया जा सकता क्योंकि प्रस्तुत बीजक में मुख्य सूचना नहीं दी गई है। इसके अलावा, सौदा चीन के बारे में है और इसका संबंध हांगकांग में घरेलू बिक्री से नहीं है। इसलिए, प्राधिकारी प्रस्तुत सूचना को अस्वीकार करने के लिए मजबूर हैं।

8.5.1 जहाँ तक ऐच के एस ए आर के व्यापार विभाग द्वारा पाटन मार्जिन का विस्तृत परिकलन किए जाने के अनुरोध का संबंध है, पाटन मार्जिन का ब्यौरा, जो गोपनीय किस्म का है, पहले ही मैसर्स डोव को गोपनीय आधार पर प्रकटीकरण विवरण के जरिए भेजा जा चुका है।

8.6 जहाँ तक मै0 एल्फ एटोकेम, सिंगापुर द्वारा प्रस्तुत सूचना का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक निर्यात के स्थान पर निर्यात कीमत और भारत में उपभोक्ता कीमत के बीच व्यापक संबंध स्थापित करने में असफल रहे हैं। इसके अलावा, जहाँ तक एफ आर पी एस ग्रेड पोलिस्टीरीन को बाहर रखने का संबंध है, निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। चूँकि निर्यात जांच अवधि के बाद किए गए हैं इसलिए निर्यातक अलग से निर्धारण को वरीयता दे सकता है। इसलिए प्राधिकारी निर्यातक के दावे को अस्वीकार करने के लिए मजबूर हैं।

8.7 प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि दूसरे निर्यातकों और हितबद्ध पार्टियों द्वारा पाटन के संबंध में कोई अतिरिक्त सूचना या तर्क नहीं दिए गए हैं।

8.8 उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में और उपरोक्त के अधीन प्राधिकारी पाटन के निर्धारण के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं। निर्धारित अंतिम पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

| जी पी पी एस | | | |
|-------------|-----------------------------------|--------------|--------------|
| देश | सामान्य मूल्य | निर्यात कीमत | पाटन मार्जिन |
| चीन | आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम | | |
| हांगकांग | **** | **** | 25 % |
| सिंगापुर | **** | **** | 24 % |
| थाइलैंड | **** | **** | 67 % |

| एच आई पी एस | | | |
|-------------|-----------------------------------|--------------|--------------|
| देश | सामान्य मूल्य | निर्यात कीमत | पाटन मार्जिन |
| चीन | आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम | | |
| हांगकांग | **** | **** | 25 % |
| सिंगापुर | **** | **** | 11 % |
| थाइलैंड | **** | **** | 65 % |

झ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9.0 उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक स्तर तक गिरावट आई है, कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

नियमावली के अनुबंध-II के नियम(III) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आकलन करेगा। तथापि, इस प्रकार का आकलन तभी किया जा सकता है जब यह निर्धारित हो जाए कि:-

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है; तथा

(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है।

9.1 मौजूदा मामले में, प्रत्येक निर्यातक तथा प्रत्येक देश के संबंध में भी पाटन मार्जिन निर्धारित सीमाओं से अधिक है। इसके अलावा, आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन भी समुचित है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर इन आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन किया है।

9.2 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव तथा (ख) इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों पर विचार कर सकता है। प्राधिकारी उक्त नियमावली के अनुबंध-II(iv) घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन करने के लिए ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकता है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

9.3 पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

| वर्ष | 1995-96 | 1996-97 | जांच की अवधि (वार्षिक) |
|---------------------------------------|---------|---------|---------------------------|
| संबद्ध देशों से किया गया आयात (मी.टन) | 839 | 787 | 2637 |
| सभी देशों से किया गया आयात (मी.टन) | 4641 | 3186 | 13212 |

मात्रा संबंधी प्रभाव के संबंध में, जैसा कि प्रारम्भिक निष्कर्षों में नोट किया गया था, यह पाया गया है कि चीन, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड से किए गए पॉलिस्टीरीन के आयातों का बाजार हिस्सा 839 मी. टन (1995-96) से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान 2637 मी. टन (वार्षिक) हो गया। आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

| देश | जांच की अवधि के दौरान आयात | प्रतिशत |
|----------|----------------------------|---------|
| चीन | 456.55 | 2.30 |
| हांगकांग | 1871.67 | 9.44 |
| सिंगापुर | 923.89 | 4.66 |
| थाईलैंड | 703.00 | 3.55 |
| उप-जोड़ | 3955.11 | 19.95 |
| अन्य देश | 15863.42 | 80.05 * |
| सकल योग | 19818.53 13212(वार्षिक) | 100.00 |

* इसमें जापान, कोरिया, ताईवान तथा मलेशिया से हुए आयातों का 69.96 % शामिल है। (इन देशों के संबंध में जांच पहले ही की जा चुकी है और शुल्क लगाए जा चुके हैं।)

9.4 नियमानुसार, किसी देश के खिलाफ जांच समाप्त करना तब अपेक्षित होता है जब किसी विशेष स्रोत से उसके पाटित आयातों की मात्रा कुल आयातों के 3 % से कम पाई जाती है। उक्त प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने चीन गणराज्य के संबंध में मौजूदा जांच को समाप्त करने का निश्चय किया, क्योंकि जांच अवधि के दौरान उस स्रोत से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम थी।

9.5 विभिन्न पार्टियों द्वारा क्षति के संबंध में दिए गए तर्क संक्षेप में निम्नानुसार हैं:-

9.6 याचिकाकर्ताओं के विचार: उन्होंने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह वास्तविक क्षति जांचाधीन देशों से हुए पाटन के कारण हुई है;

9.7 याचिकाकर्ताओं ने यह बताया है कि स्टीरीन मोनोमर की लागत एक मूल कारक है जिससे पोलीस्टीरीन की लागत निर्धारित होती है। घरेलू उद्योग की स्टीरीन मोनोमर की समूची मांग आयातों के जरिए पूरी होती है। मैसर्स डोव कैमिकलस के इस अनुरोध की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है कि इनकी स्टीरीन मोनोमर की लागत 370 अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन की भारत औसत थी। इसका बाद में उनके खुद के अनुरोध द्वारा विरोध किया गया है, जिसमें जांच अवधि के लिए स्टीरीन मोनोमर की कीमत 370 अमरीकी डालर से लेकर 570 अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन के बीच बैठती है।

निर्यातकों के विचार

9.8 मैसर्स दोव कैमिकल्स: इन्होंने यह बताया है कि आयातों का बाजार मात्रा या कीमत पर प्रभाव नहीं पड़ा है। वर्ष 1995-96 में हुए आयातों में वृद्धि की तुलना जांच अवधि से करना गलत है, क्योंकि वर्ष 1995-96 की अवधि 12 महीने की है जबकि जांच अवधि 18 महीने की है। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है क्योंकि क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है, घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है, स्टॉक के स्तर में कमी आई है, औसत स्तर पर बिक्री प्राप्ति में वृद्धि हुई है। इन मापदंडों से यह पता चलता है कि याचिकाकर्ताओं को वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

9.9 निर्यातकों ने आरोप लगाया है कि प्रमुख उत्पादक नामतः मैसर्स सुप्रीम इंडस्ट्रीज की लाभप्रदता में वृद्धि हुई है और यह बिना किसी शंका के प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग को आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

9.10 निर्यातकों ने यह आरोप लगाया है कि कच्ची समग्री की कीमतों में कमी के परिणामस्वरूप पोलीस्टीरीन की कीमतों में कमी आई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग का संरक्षण पहले से ही शुल्क संरक्षण द्वारा किया जाता है। उन्होंने यह उल्लेख किया है कि भारत सरकार ने स्टीरीन मोनोमरर्स और पोलीस्टीरीन पर आयात शुल्क के बीच 20 प्रतिशत की पर्याप्त शुल्क भिन्नता को सतत रूप से बनाए रखा है। जांच अवधि के दौरान स्टीरीन मोनोमर पर शुल्क तैयार पोलीस्टीरीन उत्पाद पर लगाए जाने वाले 30 प्रतिशत की तुलना में 10 प्रतिशत था।

9.11 उनके ई एस सी आर ग्रेड के पालीस्टीरीन की भारत औसत पहुंच लागत स्थानीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री कीमत से अधिक थी।

9.12 डब्ल्यू टी ओ करार के प्रावधानों को देखते हुए, क्षति परस्परव्यापी अवधि के प्रभाव को समाप्त किए बिना पहले के पाटनरोधी मामले में शामिल देशों से हुए निर्यातों के प्रभाव के आधार पर संचयी मूल्यांकन करना अनुमत्य नहीं था जिसमें मौजूदा जांच के पहले तीन महीनों के दौरान कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाता था।

9.13 हांगकांग सरकार विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एच के एस ए आर)- इन्होंने यह तर्क दिया है कि प्रारंभिक निष्कर्ष बाजार क्षति के साक्ष्यों का समर्थन नहीं करते हैं और यह हांगकांग से हुए आयातों के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंधों की पुष्टि नहीं करता है।

9.14 मैसर्स थाई पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज पब्लिक क.लि0; बैंकाक: कंपनी ने बताया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान पोलिस्टीरीन की कुल 144 टन के केवल दो परेषणों की बिक्री की है जो पोलिस्टीरीन की 1,50,000 टन प्रति वर्ष की कुल भारतीय बाजार मांग की तुलना में एक छोटा सा हिस्सा माना जा सकता है और इस छोटे से हिस्से पर कंपनी से पोलिस्टीरीन के निर्यात से भारत में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में विचार करना न्यायोचित नहीं होगा।

9.15 प्राधिकारी द्वारा जांच: जहां तक इस आरोप का संबंध है, कि प्राधिकारी पूर्ववर्ती जांच और मौजूदा जांच के बीच अंतर करने में असफल रहा है, जिसमें मौजूदा जांच के पहले तीन महीनों के दौरान कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाता था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान, कोरिया, मलेशिया और ताइवान जैसे देशों के खिलाफ पाटनरोधी जांच पूरी की गई थी और निश्चित शुल्क लगाए गए थे। मौजूदा मामले में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इन स्रोतों से संचयी रूप से क्षति का निर्धारण करना अभेक्षित नहीं है। इसके अलावा, विशिष्ट निर्यातक से हुई क्षति की मात्रा को घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत और संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत से जोड़ा गया है।

9.16 जहां तक 12 महीने की अवधि के आयातों की तुलना जांच अवधि, जो 18 महीने की है, के साथ करने का संबंध है यह स्पष्ट किया जाता है कि आंकड़ों में जांच अवधि (18 महीने) के लिए 12 महीने और 6 महीने विशिष्ट रूप से उल्लेख किया गया है और जहां कहीं वार्षिक आधार पर तुलना की गई है वहां जांच अवधि के आंकड़ों को उचित रूप से वार्षिक आधार पर लिया गया है।

9.17 जहां तक इस आरोप का संबंध है, कि मैसर्स सुप्रीम इंडस्ट्रीज ने जांच अवधि के दौरान लाभ अर्जित किया है और घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए और गत तीन वर्षों के लिए निर्धारित प्रपत्र में घरेलू उद्योग के भाग के रूप में सभी एककों से लागत संबंधी सूचनाएं मांगी हैं। घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक उत्पादन लागत को सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत का निर्धारण करने के लिए उपयोग में लाया गया है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत निकालने के प्रयोजनार्थ कच्ची समग्री के उपयोग, उपयोगिता इस्तेमाल, जांच अवधि के दौरान वास्तविक खर्च, निवेश क्षमता उपयोग इत्यादि सहित सभी संगत कारकों का उपर्युक्त विश्लेषण किया है। घरेलू उद्योग के लिए भारित औसत क्षतिरहित कीमत का निर्धारण याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाई गई पूंजी पर हुए उचित लाभ मार्जिन पर विचार करते हुए किया गया है।

9.18 जहां तक मैसर्स पेट्रोकेमिकल के इस दावे का संबंध है, कि जांच अवधि के दौरान निर्यातों की मात्रा भारतीय बाजार में पोलिस्टीरीन की कुल मांग की तुलना में बहुत कम है, यह स्पष्ट किया जाता है कि पाटनरोधी नियमों में उन देशों को तब तक जांच के दायरे से अलग रखने की व्यवस्था है जहां आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम हो।

- 9.19 घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित अनेक कारकों पर प्रारम्भिक निष्कर्षों में विचार किया गया है और उन पर अन्तिम निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है।
- 9.20 इस प्रकार प्राधिकारी यह अभिमत व्यक्त करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध

- 10.0 यह प्रमाणित करते समय कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण पहुंची है; प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि संबद्ध देशों से क्षति रहित कीमत से काफी कम कीमतों पर हुए आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को अलाभकारी स्तर पर रखने के लिए बाध्य हुआ है और इससे घरेलू उद्योग अपने उचित बिक्री मूल्य हासिल करने से वंचित हुआ है, जिससे घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है।

ट. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

- 11.0 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।
- 11.1 यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार पोलिस्ट्रीन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे। पाटनरोधी उपायों से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।
- 11.2 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए पोलिस्ट्रीन की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास कर सकते हैं।

(ड). पहुँच मूल्य

- 12.0 पहुँच मूल्य चीन, हांगकांग, सिंगापुर और थाइलैंड से पोलिस्ट्रीन की भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर, एक प्रतिशत उतराई प्रभार और 2 प्रतिशत हैण्डलिंग प्रभार को जोड़ने के पश्चात् निर्धारित किया गया है।

(ण) निष्कर्ष

13. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

(क) हांगकांग, सिंगापुर, और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पोलिस्ट्रीन का सामान्य मूल्य के कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है;

- (ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
 (ग) क्षति संचयी रूप से संबंधित देश से आयातों के कारण हुई हैं ।
 (घ) जाँच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम है और इसलिए प्राधिकारी चीन जन.गण. से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित नहीं समझते हैं ।
 (ङ) प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि कोरिया, जापान, ताइवान और मलेशिया जैसे देशों जिन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है, से हुए आयात के अतिरिक्त सबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ।

- 14.0 प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी और इस प्रकार के शुल्क को लागू करने की तारीख की सिफारिश करने पर विचार किया है ।
 15.0 प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि की जाती है और सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय-39 के अनतर्गत आने वाले हांगकांग, सिंगापुर तथा थाइलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित पोलिस्ट्रीन के सभी आयातों पर, केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नानुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

| क्र.सं. | देश का नाम | | पाटनरोधी शुल्क की राशि (रु/मी०टन) |
|---------|------------|---------------------------------|-----------------------------------|
| 1. | हांगकांग | कोई निर्यातक, जीपीपीएस एचआईपीएस | 1822 4878 |
| 2. | सिंगापुर | कोई निर्यातक, जीपीपीएस एचआईपीएस | 494 785 |
| 3. | थाइलैंड | कोई निर्यातक, जीपीपीएस एचआईपीएस | 5649 9236 |

- 16.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख 9 तथा 9क के तहत लगाए गए अतिरिक्त सीमाशुल्कों को छोड़कर, सभी प्रकार के सीमाशुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा ।
 17.0 उपरोक्त के अधीन रहते हुए, प्राधिकारी 28.9.99 के प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।
 18.0 इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th March, 2000

FINAL FINDINGS

Subject:- Anti-dumping Investigation concerning imports of Polystyrene from China, PR, Hongkong, Singapore and Thailand – Final Findings

No. 33/1/98-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 28th September, 1999 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of China PR, Singapore High Commission, Royal Thai Embassy in New Delhi and Trade Deptt. Of Hongkong Special Administrative Region (HKSAR), Hong Kong, with a request that exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
 - iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 11th November, 1999. All parties presenting views orally were requested to file written

submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.

- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;
- (vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or these findings.
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (viii) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the rules.

B. VIEWS OF THE PETITIONERS

2.1 They have argued that Designated Authority should ignore any response, which does not have complete information, and proceed on the basis of "best available information" upon which the petitioner has prepared its application. An inference drawn by the Authority must by law be adverse to the person withholding the information. Anything else, It is submitted, would be contrary to law and principles of natural justice.

2.2 China-Hongkong Trading block: Petitioners have drawn attention to the preliminary findings that imports from China are de-minimus. They have pleaded that Authority must consider the Geopolitic realities in today's world. Already the Authority has recognised the breakdown on barriers in Europe and has initiated cases against European Union as a whole. The position between China and Hong Kong is similar and it would serve the ends to justice if authority would consider exports from China and Hongkong as a whole and remove the artificial basis for application of the deminimus rule.

C VIEWS EXPRESSED BY THE EXPORTERS, IMPORTERS AND INTERESTED PARTIES

3.1 Government of Hong Kong Special Administrative Region (HKSAR)

In their response to the preliminary findings they have stated that they could not find any conclusive evidence of either dumping or injury to the Indian domestic industry caused by imports from Hong Kong. As regards to dumping margin they had sought details of calculations of dumping margin. Also they would like to have the information in time series for the investigation

period covering the market price, average selling price, average cost to make & sell and market share of Indian industry vis-à-vis Indian overseas suppliers with separate data on Hong Kong for the dumping allegation.

3.2 As regards to like product they have referred to Dow Chemicals submission that ESCR grade Polyester is different product in terms of technical specifications, vis-à-vis the product manufactured by domestic producers in India.

They have noted that the Preliminary Findings do not support evidence of material injury. Further a clear causal link between dumped imports from Hong Kong and any resulting material injury on the Indian industry appears to be not established.

M/s. Dow Chemicals Pacific Ltd., Hong Kong.

3.3 They have submitted that Rule 12 of Anti-dumping Rules 1995 makes it incumbent upon the Authority to record all preliminary finding which will contain interalia, the margins or dumping established under full explanation for the reasons for the methodology use in the establishment and comparison of export price and normal value as well as the main reason leading to the determination.

3.4 They have stated that since Hongkong is a member of World Trade Organisation and China is yet to become a member of WTO, it would not be proper to combine the exports of the two countries as China is still not bound by WTO Agreement on anti dumping.

3.5 In response to the disclosure statement they have pointed out the following as factual corrections that Dow Chemicals Pacific Ltd. (DCPL Hongkong) is not the manufacturer of Polystyrene. The legal entity producing Polystyrene in Hongkong is Dow Chemicals (HK) Ltd., which owns and operates the Polystyrene plant located at Tsing Yi in Hongkong. Further it has been stated that DCPL, Hongkong is a trader and M/s Dow Chemicals Int. Ltd. (DCIL), Mumbai; acts as an Indian indenting agent of DCPL, Hongkong.

3.6 M/s. Thai Petrochemical Industries Public Co.Ltd., Bangkok

Exports to India during the post investigation period from the company have been maintained low. As Members of WTO Thailand and India need to be aware of the responsibility to observe the world commitment towards trade liberalisation. Unjustified extra tariff barrier should therefore, be avoided.

3.7 All India Plastic Manufacturer's Association (AIPMA), Bombay:

They have furnished international prices of Polystyrene for GPPS and HIPS for the period of April 1999 to October 1999 i.e. post investigation period and requested for abolishing anti dumping duty on Polystyrene.

3.8 Polystyrene Producers Association (India)- Petitioners

The petitioners have prayed that the Authority must ignore any response, which does not have complete information and proceed on the basis of "best available information" upon which petitioners have prepared its application. Any inference drawn by the Designated Authority must by law be adverse to the person with-holding the information. Anything else, it is submitted, would be contrary to the law and the principles of natural justice.

D EXAMINATION BY THE AUTHORITY

4.1 As regards to argument raised by the petitioners, Rule 6 states that Authority may allow an interested party or its representatives to present the information relevant to the case, any time during the investigations

4.2 As regards the China - Hong Kong Trading block, Authority notes that the domestic industry had petitioned alleging dumping on imported product as separate countries. In the meantime, the exporters have also submitted that Hongkong is a member of World Trade Organisation and China is yet to become a member of WTO. From the foregoing, Designated Authority treats the countries, namely, China and Hongkong as separate countries for this investigation.

4.3 As regards Like Article, Designated Authority notes that M/s Dow have long- term sales arrangements with some of the users like M/s Electrolux, Voltas etc. in India and are supplying ESCR Grade Styrene 469 to them. This fact does not imply that the domestic industry in India is not producing the Like Article. Also Authority notes that no new evidence has been furnished as regards to technical specifications, process of manufacture etc. which differentiate ESCR grade Styron 469 from the like articles produced in India.

4.4 As regards to factual corrections that the legal entity producing Polystyrene in Hong Kong is M/s Dow Chemicals (HK) Ltd., and M/s Dow Chemicals Pacific Ltd. (DCPL) Hong Kong is a trading entity and not the manufacturer of Polystyrene, the Authority notes that on the basis of their response, the latter have already been treated as non-cooperative. M/s Dow Chemicals (HK) Ltd, have not corresponded or given any information to date and therefore the Authority treats them also as a non-cooperative party in this case.

4.5 As regards to calculations of normal value in respect of M/s Dow, Authority notes that the exporter has furnished some sample invoice supposed to be true copies of invoice for sales effected in China PR. It also notes that the invoice does not contain complete detail of names and addresses of the purchaser to whom it is sold and evidently information on this account has been suppressed. There is no proof of payment received by them, provided to the Authority. No evidence with respect to freight, handling charges and insurance has been furnished with respect to domestic sales. In the circumstances, Authority disregards the information furnished by the exporter.

4.6 As regards to calculations of normal value and export price the Authority has adopted the best available information on record in accordance with the rules.

4.7 As regards to submission made by M/s. Thai Petro Chemical Industry, that the volumes of import are so small that they cannot cause injury to domestic industry of Polystyrene in India, Authority notes that the volume of import from Thailand is more than de-minimus during the period of investigation and the dumping margin in respect of the exporter is more than de-minimus. Further, the volume of imports from a particular exporter is not required to be more than de-minimus for the anti dumping investigation.

E PRODUCT UNDER CONSIDERATION :

5.0 The product considered in the present investigations is Polystyrene. Polystyrene is a versatile thermoplastic resin available in wide range of formulations from general purpose crystal and impact grades to highly specialised resins. Polystyrene can be of various forms. However, crystal Polystyrene (popularly known as general purpose polystyrene or GPPS) and impact polystyrene (popularly known as high impact polystyrene or HIPS) are the subject matter of the present investigations. GPPS is a clear, amorphous polymer and finds application in food packaging, food service items, medical care products and packaging for audio cassettes, compact discs, and other consumer electronic media. HIPS makes use of polybutadiene elastomers for impact modifications and finds applications in toys, furniture, housewares, food packaging, food service, medical care products, appliances, building materials, consumer electronics, and packaging for electronic media. GPPS and HIPS are different types of Polystyrenes and are not substituted with each other. Polystyrene is classified under custom sub-heading 390319 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and under 39031900 of the ITC. The description is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations.

F. LIKE ARTICLES

6.0 Views of Petitioners

As regards to like article, they have stated that General Purpose Polystyrene (GPPS) which is clear granules primarily used for manufacture of articles such as Cassette covers etc. High impact polystyrene (HIPS) which is an opaque granule is used for manufacture of articles such as TV casings etc. One of the grades of HIPS is ESCR-Environmental Stress Crack Resistant Polystyrene. This grade of HIPS product is capable of withstanding extreme temperature and as other features, which make it ideal for use in refrigerators. The petitioners have reiterated that all grades of HIPS and GPPS are manufactured and can be manufactured in India. There may be minor difference in chemical composition of each manufacturer based on proprietary formulae

6.1 View of Exporters:

M/s Dow Chemicals have stated that their product is different from that manufactured by the petitioners. Dow Chemical is currently exporting only ESCR grade Styrene* 469 R to India. This special ESCR grade is resistant to chemicals contained in insulation foam used in refrigerators and is accordingly much less likely to crack. The product of the petitioners does not match the said specifications.

6.2 Examination by the Authority:

With regard to the quality and technical specifications of the Polystyrene produced in India and Polystyrene imported from the subject countries, the Authority notes that none of the interested parties have brought out any quantified differences. The evidence presented by the interested parties that particular consumer does not prefer to use Polystyrene produced in India and rely on particular source of import does not establish that the same is not technically or commercially substitutable with the polystyrene being exported from the subject countries. In fact M/s Dow has themselves admitted that the petitioner produces similar article in India but the product does not match the said specifications. In any event the product under consideration and the product produced in India is not required to be identical in all respects and in the absence of identical article, the Authority is required to see whether there exists a close resemblance with another article.

6.3 In order to establish that the polystyrene produced by the domestic industry is a Like Article to the Polystyrene exported from China PR, Hong Kong, Singapore, and Thailand, characteristics such as physical characteristics (size, chemical, composition, raw material),

manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods have been considered. The goods produced by the domestic industry have been treated as like article to the goods exported from the subject countries within the meaning of the Rule 2(d).

G. DOMESTIC INDUSTRY

7.0 The petition has been filed by Polystyrene Producers' Association, Mumbai. The petition is supported by the three producers of Polystyrene in India, who are also members of the Association viz. M/s Supreme Petrochem Ltd. (SPL), M/s LG Polymers, M/s Rajasthan Polymers and Resins Ltd. (RPRL). There is no other producer of polystyrene in India. The petitioners satisfy the standing to file the case. M/s. Supreme Petrochem Ltd., LG Polymers Ltd. and Rajasthan Polymers and Resins Ltd.) account for total production of Polystyrene in India and, therefore, satisfy the definition of the domestic industry, in accordance with Rule 2(b) supra;

H. DUMPING

8.0 The Authority provided opportunity to the exporters from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section 9A(1)(c) of Indian Custom Tariff Act, 1995.

8.1 Petitioners have submitted that the Authority has levied duties which is evidently much lower than the dumping margin with the amendment to anti dumping rules on 15th July, 1999. It is imperative that honorable Designated Authority recognised this precipitous situation and impose duty to the fullest extent permissible under the law.

8.2 Government of Hong Kong Special Administrative Region (HKSAR), in their response to preliminary finding, have stated that they could not find any evidence of either dumping or injury to the Indian domestic industry caused by imports from Hong Kong. Further, they have sought details of calculations of dumping margin.

8.3 M/s. Dow Chemical Pacific Ltd. (DPCL), Hong Kong. The exporters have furnished some sample invoices supposed to be true copies of invoices for the sales in China PR.

8.4 M/s. elf Atochem South Asia Pvt. Ltd., Singapore. The company furnished additional information with respect to normal value and export price. They have also submitted that FRPS grade Polystyrene to be excluded from the purview of the investigation as the same is not produced by domestic industry.

8.5 Examination by the Authority:

As regards the additional information furnished by M/s Dow Chemicals, Authority notes that the information is not submitted in the form and manner prescribed, and no useful analysis could be made out as the vital information in the invoice furnished are blocked. Further, the transactions are for China and doesnot pertain to their domestic sale in Hong Kong. Hence, Authority is constrained to reject the information furnished.

8.5.1 As regards to Trade Department of HKSAR's request for detail calculations of dumping margins, the details of dumping margin which is confidential in nature, have already been furnished to M/s Dow through the disclosure statement on confidential basis.

8.6 As regards to information furnished by M/s Elf atochem , Singapore, Authority notes that the exporters have failed to establish comprehensive link between export price in exporting destination and consumer prices in India. Further, as regards to exclusion of FRPS grade Polystyrene the exporter has not furnished any evidence with respect to exports of subject goods to India during period of investigation. Since the exports have taken after the period of investigation, the exporter may prefer separate assessment. Hence, Authority is constrained to reject the claims made by the exporter.

8.7 Authority also notes that there is no additional information or argument have been forwarded with regard to dumping from other exporters and interested parties.

8.8 In view of the foregoing and subject to above, the Authority confirms preliminary findings with regard to determination of dumping. The final dumping margins assessed are as under:

| GPPS | | | |
|-----------|--------------------------|--------------|----------------|
| Country | Normal Value | Export price | Dumping Margin |
| China | Import volumes De minmus | | |
| Hong Kong | **** | **** | 25% |
| Singapore | **** | **** | 24% |
| Thailand | **** | **** | 67% |

| HIPS | | | |
|-----------|--------------------------|--------------|----------------|
| Country | Normal Value | Export price | Dumping Margin |
| China | Import volumes De minmus | | |
| Hong Kong | **** | **** | 24% |
| Singapore | **** | **** | 11% |
| Thailand | **** | **** | 65% |

I. INJURY & CAUSAL LINK

9.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports. The such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

9.1 In the present case, the dumping margin in respect of each exporter as also each country is more than the limits prescribed. Further, cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has, therefore, cumulatively assessed the effects of these imports on the domestic industry.

9.2 For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority may kindly consider both (a) volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Authority may, for the purpose of assessing the impact of the dumped imports on domestic producers, consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

9.3 Volume and Market share of Dumped imports:

| Years | 1995-96 | 1996-97 | POI (Annualised) |
|-------------------------------------|---------|---------|------------------|
| Imports from subject countries (MT) | 839 | 737 | 2637 |
| Imports from All countries(MT) | 4641 | 3186 | 13212 |

With regard to volume effect as noted in the preliminary findings, it is observed that the market share of imports of polystyrene from China, Hongkong, Singapore and Thailand increased from 839 MT (1995-96) to 2637 MT during the period of investigation(annualised). The imports have increased significantly in absolute terms.

| Country | Imports during poi | Percentage |
|-----------------|--------------------|------------|
| China | 456.55 | 2.30 |
| Hong Kong | 1871.67 | 9.44 |
| Singapore | 923.89 | 4.66 |
| Thailand | 703.00 | 3.55 |
| Sub Total | 3955.11 | 19.95 |
| Other Countries | 15863.42 | 80.05 * |
| Grand Total | 19818.53 | 100.00 |
| | 13212(annualised) | |

* This comprises of 69.96 % of Imports from Japan, Korea, Taiwan & Malaysia (countries already investigated and anti dumping duties imposed)

It is observed that the volumes of imports are more than de-minimus in respect of subject countries except China.

9.4 As per the Rules, investigations against any country are required to be terminated if the volume of the dumped imports from the particular source are found to be below 3% of the total imports provided the cumulative imports from all those countries who individually account for less than 3%, are more than 7%. In view of the above provisions, the Authority decided to terminate the present investigations with reference to China PR as the volume of imports from that source during period of investigation was de-minimus.

9.5 The arguments with respect to injury have been made by various parties is briefly summarised as under:

9.6 View of the petitioners: They have submitted that Domestic Industry has suffered material injury and this material injury has been brought about by the dumping from the countries under investigation;

9.7 Petitioners have stated that the cost of Styrene Monomer is the basic factor that drives the cost of Polystyrene. The entire demand of Styrene Monomer of domestic industry is met through imports. Attention has been drawn to M/s. Dow Chemicals submission that their cost of Styrene monomer was a weighted average of US Dollar 370 per metric ton. This has been contradicted by their own submission later wherein Styrene monomer prices for the period of investigation ranged from US \$ 370 to US \$ 570 per metric ton.

Views of Exporters:

9.8 M/s Dow Chemicals : They have stated that imports have not had any volume or price effect on the market. The increase of imports over 1995-96 compared to POI is incorrect comparison because 1995-96 is for 12 months whereas POI is for 18 months period. The domestic industry has not suffered material injury as their capacity utilisation has increased, domestic sales have increased, stock levels have decreased, sales realisation on average level has increased. These parameters indicate that the petitioners have not experienced material injury.

9.9 Exporters have alleged that the profitability of major producer, namely, M/s Supreme Industries has increased and it establishes beyond doubt that there is no injury to domestic industry due to imports.

9.10 Exporters have alleged that decline in raw material prices has resulted in fall in Polystyrene prices. Further, the domestic industry is already protected by duty protection. They have mentioned that Government of India has consistently maintained a significant duty differential of 20% between import duty on Styrene monomers and Polystyrene. The duty on Styrene monomer was 10% during the period of investigation, as against 30% on the finished product Polystyrene.

9.11 The weighted average landed cost of their ESCR grade Polystyrene was higher than the domestic selling price of the local producers;

9.12 In view of the provisions of WTO Agreement, it was not permissible to make cumulative assessment of the injury analysis based on impact of exports from countries covered earlier anti-dumping case and present case without eliminating the impact of overlapping of period, wherein there was no anti-dumping duty during first 3 months of the present investigation;

9.13 Government of Hong Kong Special Administrative Region(HKSAR): They have argued that preliminary findings do not support evidence of market injury and establish clear causal link between imports from Hong Kong ;

9.14 M/s. Thai Petrochemical Industries Public Co.Ltd., Bangkok: They have stated that they sold only two consignments of Polystyrene totaling 144 tons during the period of investigation which could be considered a small portion compared to total Indian market demand of Polystyrene of 1,50,000 tons per year and this small portion would not justify to consider export of Polystyrene from the company is causing injury to domestic industry in India.

9.15 Examination by the Authority:

As regards to allegation that Authority has failed to distinguish between previous investigation with the present one, where in there was no anti dumping duty during the first 3 months of the current investigation, Authority notes that anti dumping investigation against countries viz. Japan, Korea, Malaysia and Taiwan were completed and definitive duties have been imposed. While assessing injury to domestic industry in present case, Designated Authority is therefore not required to cumulate injury assessment from these sources. Further, the extent of injury from specific exporter is linked to non injurious price assessed for domestic industry and the landed price of subject goods.

9.16 As regards to comparison of imports of for 12 month period with the period of investigation which is for 18 months, it is clarified that the figures have been shown distinctly for 12 month and 6 months for the period of investigation (18 months) and where ever the comparison has been on yearly basis the period of investigation figures have been annualised appropriately.

9.17 As regards to the allegation that M/s Supreme Industry has made profits during the period of investigation and there is no injury to the domestic industry, it is clarified that The Authority has called for the costing information from all the units forming part of domestic industry in the prescribed Proforma for the POI and for the three previous years. The actual cost of production of the subject goods for the domestic industry has been used to determine optimum cost of production on the basis of Generally Accepted Accounting Principle (GAAP). In the determination of Non Injurious Price (NIP) for the domestic industry, the Authority has made appropriate analysis of all the relevant factors including usage of raw material, the usage of utilities, the actual expenses during the POI, the investments, the capacity utilisation etc to arrive at a NIP for domestic industry. The weighted average NIP for the domestic industry has been determined considering a reasonable profit margin on the capital employed by the petitioners.

9.18 As regards to M/s Thai Petrochemical claim that the volume of exports during the period of investigation is very small compared to the total demand of polystyrene in the Indian market, it

is clarified that the anti dumping rules provide only for exclusion of the countries from the investigation where the volumes of import are de-minimus;

9.19 The various factors relating to injury to domestic industry have been discussed in the preliminary findings and the same is being considered for final determination.

9.20 The Authority thus observes that the domestic industry has suffered material injury.

J. CAUSAL LINK:

10.0 In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that increase in imports from the subject countries at prices significantly below the non injurious price forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

11.0 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

11.1 It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of polystyrene. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

11.2 To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of Polystyrene in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry

M. LANDED VALUE:

12.0 The landed value have been determined on the basis of weighted average export price of polystyrene from China, Hong Kong, Singapore and Thailand after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

N. **CONCLUSIONS:**

13.0 After considering the foregoing, Authority concludes that:

- a. Polystyrene originating in or exported from Hong Kong, Singapore and Thailand has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- b. The Indian industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.
- d. The volume of imports from China PR during the period of investigation is de-minimis and therefore the Authority doesnot consider appropriate to recommend anti dumping duty with respect to imports from China PR.
- e. Authority holds that the imports from subject countries are causing injury to domestic industry in addition to imports from countries viz. Korea, Japan, Taiwan and Malaysia which are already attracting anti dumping duties.

14.0 Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry, and the date of commencement of such duty (clause (d) Rule 4 supra as amended).

15.0 The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of Anti dumping duty and recommends imposition of definitive anti- dumping duties, as set out below , from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of Polystyrene originating in or exported from Hong Kong, Singapore and Thailand falling under Chapter 39 of the Customs Tariff.

| Sl. No | Name of the Country | | Amount of Anti Dumping Duty (RS/MT) |
|--------|---------------------|------------------------------|-------------------------------------|
| 1. | Hong Kong | Any Exporter GPPS HIPS | 1822 4878 |
| 2. | Singapore | Any Exporter GPPS HIPS | 494 785 |
| 3. | Thailand | Any Exporter GPPS HIPS | 5649 9236 |

16.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 including all duties of customs except Additional duty of Customs levied under Section 3 , 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Act, 1975.

17.0 Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 28.9.99

18.0 An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority